



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 154]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 30, 1987/चैत्र 9, 1909

No. 154]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 30, 1987/CHAITRA 9, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

विधि और स्याद संचालन

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1987

अधिसूचना

मा. का. नि. 339 (अ):— राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित  
आदेश सार्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है:—

‘स. आ. 131’

संविधान (राजस्व वितरण) सं. 2 आदेश, 1987

राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 275 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति वित्त आयोग की सिफारिशों पर विचार करने  
के पश्चात् निम्नलिखित आदेश करते हैं, अर्थात्:—

1. इस आदेश का संविधान नाम संविधान (राजस्व वितरण)  
सं. 2 आदेश, 1987 है।

2. इस आदेश के निर्वहन के लिए साधारण खंड अधिनियम, 1897  
(1897 का 10) बैसेही लागू होगा जैसे वह किसी केन्द्रीय अधिनियम के  
निर्वहन के लिए लागू होता है।

3. (1) 1 अप्रैल, 1987 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष  
में, नीचे विनिर्दिष्ट प्रत्येक राज्य के राजस्वों में सहायता अनुदान के रूप  
में उसके सामने विनिर्दिष्ट राशियाँ जो राज्यों में प्राकृतिक विपत्तियों  
की बाबत अनुतोष उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय सरकार के माजिन  
धन का अंश हैं, भारत की संविधान विधि पर सारित होगी:—

राज्य	(रु. लाखों में)
1	2
आन्ध्र प्रदेश	1225.00
असम	302.50
बिहार	1687.50
गुजरात	1437.50
हरियाणा	225.00
हिमाचल प्रदेश	87.50
जम्मू कश्मीर	75.00
कर्नाटक	300.00

1	2
केरल	250.00
मध्य प्रदेश	237.50
महाराष्ट्र	362.50
मणिपुर	12.50
मेघालय	12.50
उड़ीसा	332.50
पंजाब	300.00
राजस्थान	837.50
सिक्किम	12.50
तमिलनाडु	437.50
त्रिपुरा	37.50
उत्तर प्रदेश	1625.00
पश्चिम बंगाल	1190.59*

\*वर्ष 1985-86 से घातीय के संबंध में 3.09 लाख रुपए मारजिन धन, केन्द्र के अंश का बकाया उपदर्शित करता है।

परन्तु ऊपर विनिर्दिष्ट राशियां 1 अप्रैल, 1986 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में, राज्यों में प्राकृतिक विपत्तियों की बाबत अनुसूचित उपलब्ध कराने के लिए उपायों पर व्यय की जाएगी।

परन्तु यह और कि यदि उस वर्ष के लेखा में प्रकटित ऐसे अनुकोर संबंधी उपायों पर किया गया वास्तविक व्यय, उपर विनिर्दिष्ट राशियों से कम है तो प्रतिशेष को अगले वर्ष में से जादा जाएगा और उसका उसी प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा।

(2) 1 अप्रैल 1986 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में, उपर (1) के अधीन किसी राज्य को संदेय कोई राशि या राशियां, संविधान (राजस्व वितरण) अधिनियम, 1985 के पैर. 4 के उपपैरा (1) के अनुसरण में उस वित्तीय वर्ष में उस राज्य को संदेय राशि या राशियों के प्रतिरिक्त होगी या होगी।

जैल सिंह,

राष्ट्रपति,

[सं. फा. 19(2)/87-वि. 1]

एस. रामय्या, सचिव

## MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 30th March, 1987

### NOTIFICATION

G.S.R. 339(E):—The following Order made by the President is published for general information:—

“C.O. 131”

### THE CONSTITUTION (DISTRIBUTION OF REVENUES) No. 2 ORDER, 1987

In exercise of the powers conferred by article 275 of the Constitution, the President, after having considered the recommendations of the Finance Commission, hereby makes the following Order, namely:—

1. This Order may be called the Constitution (Distribution of Revenues) No. 2 Order, 1987.

2. The General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), shall apply for the interpretation of this Order as it applies for the interpretation of a Central Act.

3. (1) In accordance with the provisions of clause (1) of article 275, there shall be charged on the Consolidated Fund of India, in the financial year commencing on the 1st day of April, 1986 as grants-in-aid of the revenues of each of the States specified below, the sums specified against it as representing the share of the Central Government of the margin money towards affording relief in connection with natural calamities in the States:—

State	(Rupees in lakhs)
1	2
Andhra Pradesh	1225.00
Assam	362.50
Bihar	1687.50
Gujarat	1437.50
Haryana	225.00
Himachal Pradesh	87.50
Jammu and Kashmir	75.00
Karnataka	300.00
Kerala	250.00
Madhya Pradesh	237.50

1	2
Maharashtra . . . . .	362.50
Manipur . . . . .	12.50
Meghalaya . . . . .	12.50
Orissa . . . . .	532.50
Punjab . . . . .	300.00
Rajasthan . . . . .	837.50
Sikkim . . . . .	12.50
Tamil Nadu . . . . .	437.50
Tripura . . . . .	37.50
Uttar Pradesh . . . . .	1625.00
West Bengal . . . . .	1190.59*:

\*Includes arrears of Centre's share of margin money of Rs. 3.09 lakhs relating to the year 1985-86 brought forward.

Provided that the sums specified above shall be expended in the financial year commencing on the 1st day of April, 1986 on measures for affording relief in connection with natural calamities in the States:

Provided further that if the actual expenditure on relief measures as revealed in the accounts of that year, is lower than the sums specified above, the balance shall be carried forward to the next year and utilised for the same purpose.

(2) Any sum or sums payable under sub-paragraph (1) to any State, in the financial year commencing on the 1st day of April, 1986, shall be in addition to the sum or sums payable to that State in that financial year in pursuance of sub-paragraph (1) of paragraph 4 of the Constitution (Distribution of Revenues) Order, 1985.

ZAIL SINGH,

*President.*

[No. F. 19(2)/87-L-1]

S. RAMAIAH, Secy.

